

मसखरा पुं. (अर.) 1. अपनी क्रियाओं से दूसरों को हंसाने वाला, हँसोड़ व्यक्ति, दिल्लगीबाज 2. दूसरों की नकल करने वाला, नक्काल, भांड 3. विदूषक।

मसजिद स्त्री. (फा.) (मस्जिद) मुसलमानों के एकत्र होकर नमाज पढ़ने तथा अल्लाह की वंदना करने का स्थान या घर।

मसनद स्त्री. (अर.) 1. बड़ा तकिया, गोल तथा लंबा तकिया 2. अमीरों के बैठने की गद्दी 3. राजगद्दी या सिंहासन।

मसमुंद वि. (अर.) कशमकश, ढेलमढेल, धक्कमधक्का।

मसरफ पुं. (अर.) व्यवहार में आना, काम में आना, उपयोग।

मसरूफ वि. (अर.) काम में लगा हुआ, संलग्न, तल्लीन।

मसल पुं. (अर.) कहावत, लोकोक्ति।

मसलन स्त्री. (देश.) 1. मसलने की क्रिया या भाव 2. रगड़ 3. मर्दन 4. उदाहरणार्थ।

मसलना स.क्रि. (देश.) 1. हाथ से दबाते हुए रगड़ना, मलना 2. जोर से दबाना 3. (आटा) गूंथना 4. नष्ट करना, मारना।

मसलहत स्त्री. (अर.) 1. ऐसी गुप्त युक्ति या भलाई जो सहसा जानी न सके 2. रहस्य, भेद।

मसला पुं. (अर.) 1. कहावत, लोकोक्ति 2. विचारणीय विषय 3. समस्या।

मसवासी पुं. (तत्.) 1. एक मास तक उपवास करने वाला 2. साधु या संन्यासी जो एक स्थान पर एक मास से अधिक निवास न करे।

मसहरी वि. (देश.) 1. मच्छरों को दूर करने वाली 2. मच्छरदानी 3. पलंग, बड़ी खटिया।

मसनवी स्त्री. (अर.) 1. अरबी, उर्दू और फारसी पद्य का भेद जिसमें दो-दो चरणों के अंत्यानुप्रासों में मेल हो 2. फारसी काव्य आदि का भेद जिसमें एक ही छंद में कथा या उपदेश वर्णित होता है, काव्य की दोनों पंक्तियों तुकांत होती

हैं, परंतु प्रत्येक शेर दूसरे से भिन्न "रदीफ" और भिन्न 'काफिया' वाला होता है।

मसा पुं. (तद्.) शरीर पर होने वाला काला दाग जो बिंदु के आकार का होता है, तिल, मसा और मस्सा में अंतर होता है।

मसान पुं. (तद्.) 1. श्मशान, मरघट 2. रणभूमि 3. भूत, पिशाच आदि 4. बच्चों को होने वाला सूखा रोग जिसे कहीं-कहीं इस नाम से पुकारा जाता है।

मसानिया वि. (देश.) 1. मरघट संबंधी, श्मशान का 2. जो श्मशान में साधना से प्राप्त होने वाला हो 3. श्मशान का निवासी 4. मसान में रहकर भूत-प्रेतादि की यंत्रों आदि से सिद्धि करने वाला, तांत्रिक।

मसयरा पुं. (अर.) 1. मशाल 2. मशालची।

मसाला पुं. (फा.) 1. मिर्च, धनियां, जीरा आदि का चूर्ण जिनका उपयोग भोजन को सुगंधित और स्वादिष्ट करने के लिए किया जाता है 2. किसी वस्तु को तैयार करने या काम को अच्छी तरह करने के लिए आवश्यक वस्तुओं का मिश्रण जैसे मकान बनाने के लिए गारा, चूना, सीमेंट, बालू 3. उपयोगी भोज्य पदार्थ मिश्रण जैसे पान-मसाला 4. लेख, ग्रंथ लिखने के लिए सामग्री 5. औषधियों, रसानयों का योग।

मसालेदार वि. (अर.) 1. जिसमें मसाला हो, मसाले वाला 2. अतिरंजित, बढ़ा चढ़ा कर कही गई बात।

मसि पुं. (तत्.) कालिख, स्याही, रोशनाई, काजल।

मसिदानी पुं. (तत्.) मसिपात्र, दवात।

मसिपात्र पुं. (तत्.) दवात, मसिदानी।

मसिबिंदु पुं. (तत्.) 1. काजल आदि की बिंदी जो बच्चों के माथे/गाल पर स्त्रियाँ लगाती हैं ताकि उनको बुरी नजर न लगे 2. दिठौना।

मसिमुख वि. (तत्.) 1. जिसका मुख कालिख पोतकर काला किया गया हो, कलमुँहा 2. कुकर्म करने वाला, कुकर्मी।

मसीना पुं. (तत्.) अलसी, मोटा अनाज।